Great National Achievement

Date:29.07.2025

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 28 जुलाई, 2025 को नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा।

कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बी0डी0एस0 तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये।

कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है।

Sign: ___________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है।इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है।

विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है।हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है।

इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया।कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Krishna Ujjala Samvaddata

Date:30.07.2025

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

कृष्ण उजाला संवाददाता

गाजियाबाद। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 28 जुलाई, 2025 को नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बी0डी0एस0 ततीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है।

हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

hSign: ____________ ______________________

Dental Library **Director- Principal**

Hindustan Hindi

Date:30.07.2025

हेपेटाइटिस से बचाव के उपाय बताए गए

मुरादनगर। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज में वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक व पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस दौरन बीमारी के प्रति लोगों को जागरुक भी किया। इस मौके पर बीडीएस के छात्रों ने हेपेटाइटिस बीमारी से कैसे बचाव किया जाए,इसके बारे में बताया। इस मौके पर सर्वजीत सिंह अरोड़ा,मोहमद शोएब,ममता शर्मा,याचना अरोड़ा सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Dhara News

Date:30.07.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में मनाया गया विश्व हैपेटाइटिस दिवस

धारा न्यूज, गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा 28 जुलाई को विश्व हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता और व्याख्यान जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन को जागरूक करना और राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम व डब्ल्यूएचओ की ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा। बीडीएस तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किए, वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता से लोगों को जागरूक किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से हेपेटाइटिस के कारण, लक्षण और बचाव के तरीकों को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस वायरस के पांच प्रकार होते हैं — ए, बी, सी, डी और ई। कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ. ममता शर्मा की देखरेख में हुआ। पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ. सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ. मोहम्मद शोएब, डॉ. ममता शर्मा और डॉ. याचना अरोड़ा शामिल रहे। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस सफल आयोजन के लिए प्रतिभागियों ने आईटीएस-दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर. पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा और डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी का आभार व्यक्त किया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Journey of Success

Date:30.07.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस मनाया

● जर्नी ऑफ सक्सैस

मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर नगर में स्थित आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवें पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बीडीएस तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये।कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ. ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ. सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ. याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Hindustan Times

हेपेटाइटिस से बचाव के उपाय बताए गए

मुरादनगर। दिल्ली–मेरठ मार्ग पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज में वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक व पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस दौरन बीमारी के प्रति लोगों को जागरुक भी किया। इस मौके पर बीडीएस के छात्रों ने हेपेटाइटिस बीमारी से कैसे बचाव किया जाए,इसके बारे में बताया। इस मौके पर सर्वजीत सिंह अरोड़ा,मोहमद शोएब,ममता शर्मा,याचना अरोड़ा सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Athah Samvaddata

Date:30.07.2025

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में

विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

कार्यक्रम

- बीडीएस तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 28 जुलाई, 2025 को नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा।

कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बीडीएस तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये।

कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Social Media Times

Date:30.07.2025

आईटीएस हुआ में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

गाजियाबाद। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बीडीएस तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है।

हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिय और इसे सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोस्टर प्रतियोगिता मे निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममत शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर- प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Jan Sagar Today

Date:30.07.2025

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन किया

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा।

कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बी.डी.एस. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये।

कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है।

इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ **Dental Library** ____________________ **Director- Principal**

Dainik Hint Samvaddata

Date:30.07.2025

जागरूकता | छात्र छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक व विभिन्न प्रतियोगिताओं के जरिये लोगों को किया जागरूक

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस मनाया

हिन्द संवाददाता

मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज में माइक्रोबायोलॉजी विभाग की ओर से नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। छात्र छात्राओं ने इस मौके पर हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन को जागरूक किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए हेपेटाइटिस बीमारी को लोगो को समझायाऔर छात्रों की ओर से पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बी0डी0एस0 तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये। बताया कि हेपेटाइटिस वायरस के पांच प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है।

कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया। कार्यक्रम के तहत आयोजित हुई प्रतियोगिता पोस्टर के निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम मेंआईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी का सहयोग सराहनीय रहा।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Shah Times Samvaddata

Date: 30.07.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हेपेटाइटिस दिवस का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज के माइक्रो बायोलॉजी विभाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बीडीएस तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये।

कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है।

हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Hind Atma Samvaddata

Date: 30.07.2025

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 28 जुलाई को नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बीडीएस ततीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस एबीसीडी और ई इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लीवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लीवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है।

इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Buland Sandesh

Date: 30.07.2025

विश्व हैपेटाइटिस दिवस | विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस मनाया गया

सुनहरा संसार ब्यूरो

मुरादनगर। (जाकिर संसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर अवस्थित गंग नगर के निकट स्थित आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पिटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हेपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा।

कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बी.डी.एस. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस की विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें

हेपेटाइटिस ए,बी, सी, डी, और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले लक्षण बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है।

इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ शैलेन्द्र चौहान, डॉ ममता शर्मा और डॉ पायल अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Sunhera Sansar Samvaddata

Date: 30.07.2025

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय सुनहरा संसार वन्दना जोशी संवाददाता

मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 28 जुलाई, 2025 को नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बी0डी0एस0 तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रो बायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ______________

Dental Library **Director- Principal**

Uday Bhoomi Samvaddata

Date: 30.07.2025

आई.टी.एस दंत चिकित्सालय में विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर गूंजा जागरूकता का संदेश

नुक्कड़ नाटक, चित्र प्रस्तुति और व्याख्यानों के माध्यम से विद्यार्थियों ने दिया ३हेपेटाइटिस मुक्त भारत३ का आह्वान

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। आई.टी.एस दंत चिकित्सालय, गाजियाबाद के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर एक सार्थक और जागरूकतापूर्ण आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी घातक बीमारी के प्रति जनसामान्य को जागरूक करना, राष्ट्रीय विषाणुजनित हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम में योगदान देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक हेपेटाइटिस नीति को समर्थन देना रहा। कार्यक्रम का आरंभ एक नुक्कड़ नाटक से हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने आम जीवन में हेपेटाइटिस के खतरों और उससे जुड़ी सावधानियों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा तैयार शैक्षिक एवं रचनात्मक चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसने दर्शकों को रोग की गंभीरता और बचाव के उपायों से अवगत कराया। कार्यक्रम में बीडीएस तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस-बी विषय पर सूचनापरक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि हेपेटाइटिस विषाणु के कुल पाँच प्रकार - ए, बी, सी, डी और ई होते हैं, जिनमें से बी और सी प्रकार सबसे अधिक घातक माने जाते हैं। ये प्रकार लगभग 57 प्रतिशत यकृत सिरोसिस और 78 प्रतिशत यकृत कैंसर के मामलों के लिए उत्तरदायी होते हैं। विद्यार्थियों ने बताया कि इस रोग के आरंभिक लक्षणों में हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना, उल्टी की प्रवृत्ति और पीलिया सम्मिलित हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई मुख्यतः अशुद्ध भोजन और दूषित जल के माध्यम से फैलते हैं, जबकि बी, सी और डी प्रकार का प्रसार रक्त और अन्य शारीरिक द्रवों के द्वारा होता है। कार्यक्रम के दौरान यह भी बताया गया कि हेपेटाइटिस बी से बचाव के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है। इसके अतिरिक्त, स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का प्रयोग, एक बार प्रयोग होने वाली सिरिंजों का उपयोग तथा आधुनिक रक्त संचरण केंद्रों की उपलब्धता भी आवश्यक है। इस जागरूकता कार्यक्रम का संचालन सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका डॉ. ममता शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। चित्र प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में डॉ. सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ. मोहम्मद शोएब, डॉ. ममता शर्मा और डॉ. याचना अरोड़ा उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रस्तुतियों का मूल्यांकन कर विजेताओं को पुरस्कृत किया। सभी प्रतिभागियों ने इस सफल आयोजन के लिए आई.टी.एस - शिक्षा समूह के अध्यक्ष डॉ. आर. पी. चड्ढा, उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा एवं महाविद्यालय के निदेशक-प्रधानाचार्य डॉ. देवी चरण शेट्टी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Aap Abhi Tak

Date: 30.07.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

संवाददाता (आप अभीतक)

मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा।

कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बीडीएस तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Gaj Kesari Yug

Date: 30.07.2025

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गज केसरी युग

मुरादनगर (मनीष गोयल)। वर्ल्ड हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेंटल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु नुक्कड़ नाटक और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बीडीएस तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों को जानकारी दी गई कि हेपेटाइटिस वायरस के पांच प्रकार–ए, बी, सी, डी और ई–होते हैं। इनमें बी और सी प्रकार सबसे अधिक खतरनाक माने जाते हैं, क्योंकि इनसे 57% लिवर सिरोसिस और 78% लिवर कैंसर के मामले सामने आते हैं। हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना, मतली और पीलिया इसके प्रमुख लक्षण हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन व पानी से फैलते हैं, जबकि बी, सी और डी रक्त और शारीरिक तरल पदार्थों के संपर्क से फैलते हैं। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है। इसके साथ ही सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का प्रयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधाएं आवश्यक हैं। पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ. सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ. मोहम्मद शोएब, डॉ. ममता शर्मा और डॉ. याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने इस आयोजन हेतु आई.टी.एस एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर. पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा एवं डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी का आभार व्यक्त किया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Smart Vision Samachar

Date: 30.07.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

■ स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 28 जुलाई, 2025 को नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बी०डी०एस० ततीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है।

विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: ________ ________________

Dental Library **Director- Principal**

Pahal Today

Date: 30.07.2025

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

पहल टुडे

गाजियाबाद। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 28 जुलाई, 2025 को नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटिशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा।

कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बी0डी0एस0 ततीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये।

कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है।

क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है।

विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है।

इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा एव संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Manasvi Vani Samvaddata

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन,विजेता विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम मे सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा।कार्यक्रम के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक और छात्रों द्वारा पोस्टर प्रजेंटेशन आयोजित की गई। बीडीएस ततीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस बी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान दिये। हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का

बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है।विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख मे किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ मौहम्मद शोएब, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: ___________ **Dental Library**

_______________________ **Director- Principal**